मुर्गीपालन लाएगा आदिवासी युवतियों महिलाओं के जीवन में बदलाव

इंदौर/झाबुआ।

चाइल्ड फंड और सीटी फाउंडेशन अपने संयुक्त प्रयासों से झाबुआ, अलीराजपुर और धार जिले की एक हजार से ज्यादा आदिवासी युवतियों और महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव लाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। इसी तारतम्य में झाबुआ में शुक्रवार को चाइल्ड फंड और सीटी फाउंडेशन ने अपने पी2 पी यानि पावर्टी टू प्रास्पीरिटी प्रोजेक्ट प्रारंभ करने की खुशी का जश्न मनाया। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत तीन माह पूर्व की गई और इसके तहत एनजीओ तीन आदिवसी बहुल जिलों की महिलाओं, युवतियों को मुर्गी पालन का विधिवत प्रशिक्षण दे रहा है और इसके जरिए जहां उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की पहल की जा रही है वहीं इसके जरिए पलायन को रोककर उन्हें अपने मूल निवास क्षेत्र में ही स्वरोजगार के जरिए उनका समेकित विकास भी करना है।

चाइल्ड फंड की कंट्री डायरेक्टर और सीईओ नीलम मखीजानी और सीटी इंडिया के पब्लिक अफेयर्स आफिसर देवाशीष घोष ने इंदरौ से गए पत्रकार समूह से बात करते कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत 500 महिलाओं, युवतियों को कृषि विकास केंद्र में मुर्गी पालन का प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें कड़कनाथ प्रजाति के चूजे उन्हें दिए जा रहे हैं जो कि इस क्षेत्र की विशिष्ट पहचान है और विलुप्ति के कगार तक पहुंचाया है। अब मुर्गी पालन के जरिए जहां अब कड़कनाथ की ब्रांडिंग देशभर में यहां तक कि विदेश में करने की योजना है। आत्मनिर्भर महिलाएं और युवतियां अपनी कमाई से कुछ लगाएंगी ताकि कंपनी को पूंजी का अभाव नहीं रहेगा।

सांसद कांति लाल भूरिया, देबाषीश घोश, पब्लिक अफेयर्स ऑफिसर, सीटी इंडिया और नीलम मखीजानी, कंट्री डायरेक्टर एवं सीईओ, चाइल्ड फंड इंडिया। प्रोजेक्ट के सभी 1000 लाभान्वित प्रतिभागी और तकनीकी सहयोग देने वाले संगठन के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। नीलम मखीजानी, कंट्री डायरेक्टर एवं सीईओ, चाइल्डफंड इंडिया का कहना है, ''इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य जनजातीय महिलाओं को उद्यमी बनाना है। उन्हें वैकल्पिक आजीविका का अवसर देना है जो आर्थिक रूप से सफल हो और निरंतर जारी रहे। हम प्रोजेक्ट के दायरे में आने वाली सैकड़ों जनजातीय महिलाओं को मुर्गीपालन के लिए प्रषिक्षण और अन्य जरूरी सुविधाएं सुनिष्चित कर रहे हैं। हालांकि बहुत कुछ करना बाकी है और चाइल्डफंड इंडिया लोगों को सक्षम बनाने के साथ बड़े बदलाव की मिसाल रखना चाहता है। हमें सीटी फाउंडेषन का बड़ा सहयोग रहा है। हमारी इस साझेदारी से न केवल मध्य प्रदेष की जनजातीय महिलाओं के जीवन में कई अच्छे अवसर आए हैं बल्कि इससे अन्य संगठन भी सीख लेंगे और लोगों की जिन्दगी बदलने वाले विकास के स्थायी मॉडल लागू करने के लिए उत्साहित होंगे!''

देबाषीश घोश, पब्लिक अफेयर्स ऑफिसर, सीटी इंडिया का कहना है, ''पी2पी प्रोग्राम भारत सरकार के 'स्किल इंडिया' मिषन की दिषा में बड़ा कदम है। सीटी फाउंडेषन मुख्यतः निम्न आय वाले परिवारों के युवाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने; उद्यमियों को रोजगार सृजन करने और सामुदायिक संगठनों को विभिन्न समुदायों को मजबूत बनाने और बदलाव लाने में सहयोग देता रहा है। इस प्रोग्राम से न केवल जनजातीय महिलाओं के लिए